राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल ने 'पशु प्रजनन उत्कृष्टता केन्द्र' का शिलान्यास किया

पटना, 25 दिसम्बर 2018

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने आज पूर्वी चम्पारण जिला के डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विज्ञान केन्द्र, पिपराकोठी (मोतिहारी) में आयोजित एक समारोह में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्यपालन विभाग की परियोजना –''राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अन्तर्गत ''पशु प्रजनन उत्कृष्टता केन्द्र'' का शिलान्यास मुख्य अतिथि के रूप में किया।

समारोह में राज्य के उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राधामोहन सिंह, पर्यटन मंत्री श्री प्रमोद कुमार, सांसद डॉ॰ संजय जायसवाल सहित कई जन प्रतिनिधिगण भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम–स्थल पर राज्यपाल श्री टंडन ने आज भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व॰ अटल बिहारी वाजपेयी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण भी किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि बिहार में भारतरत्न स्व॰ अटल बिहारी वाजपेयी जी की स्थापित हो रही इस प्रथम प्रतिमा का अनावरण करते हुए मैं अपने को सौभाग्यशाली महसूस करता हूँ और यह पूरे बिहारवासियों के लिए भी गौरव की बात है। इस अवसर पर 'अटल द्वार' का भी लोकार्पण हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि स्व॰ अटल जी किसानों के सबसे बड़े हितैषी एक संवेदनशील कविहृदय राजनेता थे। उन्होंने कहा कि स्व॰ वाजपेयी ने ही 'किसान क्रेडिट कॉर्ड योजना' की शुरूआत की थी। स्व॰ वाजपेयी की जयंती के अवसर पर बिहार में देश का प्रथम ''पशु प्रजनन उत्कृष्टता केन्द्र'' स्थापित करने के लिए आज शिलान्यास किया जाना उनके प्रति एक विनम्र श्रद्धांजलि और सार्थक निर्णय है।

राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि चम्पारण की पावन भूमि पर ही महात्मा गाँधी ने भी 'सत्याग्रह' का प्रथम प्रयोग प्रारंभ किया था। उन्होंने कहा कि भारत का वास्तविक विकास–कार्य राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के ग्राम स्वराज तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अन्त्योदय विकास के सपने को साकार कर ही पूरा किया जा सकता है और भारत सरकार इस दिशा में सतत् प्रयत्नशील है। राज्यपाल ने कहा कि यहाँ के किसानों एवं गो–पालकों के लिए 'पशु प्रजनन उत्कृष्टता केन्द्र' स्थापित होने से राज्य में गो–वंश के विकास में काफी मदद मिलेगी तथा भारतीय जलवायु के सर्वथा अनुकूल साहीवाल एवं देशी नस्ल की गायों के गोवंश में उत्कृष्टता आएगी।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार का विकास कृषि पर आधारित है। तीसरे 'कृषि रोड मैप' के कार्यान्वयन के फलस्वरूप राज्य में 'हरित क्रांति' का सर्वाधिक उत्कृष्ट रूप से प्रतिफलित हो पाना सुगम हो गया है। राज्यपाल ने आधुनिक कृषि के विकास के साथ–साथ जैविक खेती में विकास पर भी जोर दिया। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों को 'जीरो बजट' पर आधारित कृषि–विकास का फॉर्मूला तैयार करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कृषि आधारित कुटीर उद्योगों के विकास की भी आवश्यकता बताई। श्री टंडन ने कहा कि भारत सरकार कृषि–विकास तथा किसानों की आमदनी बढ़ानेवाली कई महत्त्वपूर्ण योजनाएँ संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि आज नये सशक्त, सुदृढ़ और श्रेष्ठ भारत का तेजी से पुनरोदय हो रहा है।

समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी ने बिहार सरकार के द्वारा संचालित कृषि–विकास योजनाओं की व्यापक जानकारी दी, जबकि केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री राधामोहन सिंह ने 'पशु प्रजनन उत्कृष्टता केन्द्र' के विभिन्न अवयवों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ॰ रमेश चन्द्र श्रीवास्तव एवं ब्राजील के प्रतिनिधि सहित कई गणमान्यजन आदि भी उपस्थित थे।

.....